# खण्डगिरी उदयगिरी दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र

मैं अभी जून के अंतिम सप्ताह में इस क्षेत्र की यात्रा करके आया हूँ। इस सिद्ध क्षेत्र के बारे में अपने विचार व अनुभव आप सभी को इस पत्रिका के माध्यम से बताना चाहता हूँ। मैं यहाँ पर 2-3 दिन रहा। इस सिद्धक्षेत्र की दूरी भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन से 8 किमी. है व भुवनेश्वर एअर पोर्ट से 15 किमी. है। हम सभी को इस तीर्थक्षेत्र की वंदना अवश्य करनी चाहिए।

मुझे ऐसा प्रतीत हुआ, यहाँ पर आने वाले जैन दर्शनार्थी कम हैं अजैन समाज के पर्यटक ज्यादा आते हैं। कारण उड़ीसा (भुवनेश्वर, कटक व पुरी) में जैन परिवार कम संख्या में हैं। इसलिए आने वाले यात्री कम हैं। दूसरी बात इस क्षेत्र की दूरी केन्द्रांचल से अधिक होने के कारण, यात्री कम पुहँचते हैं। वहाँ पर मैंने परम पूज्य 105 ऐलक श्री गोसल सागर जी महाराज के दर्शन किये, उनसे विचार-विमर्श हुआ तो ऐसा मालूम हुआ कि दिल्ली की ओर से कम यात्री पहुँचते हैं।

खण्डगिरी के पहाड़ पर जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा है परन्तु धीमी गति से। पहाड़ पर एक ही कैम्पस में 6 जिनालय हैं। सुबह अभिषेक के लिए नीचे से ही जल लेकर पुजारी जाते हैं और अभिषेक करके नीचे आ जाते हैं। ज्यादातर यात्री उसी समय दर्शन कर लेते हैं। खण्डगिरी उदयगिरी जैन समाज का अति पूजनीय क्षेत्र है। खण्डगिरी में प्राप्त शिलालेखों से ज्ञात होता है कि महाराजा खारवेल अपने राज्यकाल में मगध के राजा बृहस्पति मित्र को परास्त करके 'कलिंग जिन' (भगवान ऋषभ देव) की प्रतिमा को लौटा लाये और राष्ट्रीय समारोह के साथ यहाँ खण्डगिरी में प्रतिष्ठित कराया। यह प्रतिमा तीन सौ वर्ष पूर्व मगध के नन्दराजा राशाली के क्षेत्र पर आछाट कर हरण करके ले गये थे।

जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर ने इसी पर्वत से कलिंग वासियों को जैन धर्म की विजय वाणी सुनाई थी। यहाँ से जदरथ राजा के 500 पुत्र मुनि बनकर मोक्ष गये। यहाँ पर मूल नायक प्रतिमा कलिंग जिनेन्द्र (भगवान ऋषभदेव) की है। माघ संक्रांति पर 14 दिनों तक चलने वाला खारवेल उत्सव का आयोजन किया जाता है यह उड़ीसा के प्रमुख उत्सवों में एक है।

इस क्षेत्र का प्रबन्धन 'श्री बंगाल बिहार उड़ीसा दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी' 64 नलिनी सेठ रोड कोलकाता के द्वारा होता है। धर्मशाला में ठहरने की व्यवस्था बहुत अच्छी है। ए.सी. रूम भी है, सशुल्क भोजनशाला भी है। सभी कर्मचारियों का बर्ताव बहुत अच्छा है।

खण्डगिरी से 30 किमी. दूरी पर कटक में चौधरी बाजार में प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर व धर्मशाला है। जगन्नाथपुरी व कटक में दर्शनीय स्थान है। मेरे विचार से ज्यादा से ज्यादा यात्रियों के पहुँचने से क्षेत्र के विकास, संरक्षण व जीर्णोद्धार को गति मिलती है।

खण्डगिरी धर्मशाला में कटक व पुरी जाने की समुचित व्यवस्था हो जाती है। अधिक जानकारी के लिये क्षेत्र के कर्मचारियों, प्रबंधक के फोन पर संपर्क कर सकते हैं-

डॉ. नरेन्द्र जैन एवं प्रतिभा जैन
पी-21, नवीनशाहदरा, दिल्ली-32
मो.- 9312835441
उपमंत्री-बाकलीवाल- 0761-2440983
09869532684, 09438730773, 0674-2384530

इच्छुक दानदातार क्षेत्र के खाते में जमा कर सकते हैं-

खाता सं.- 3222000100032868 पंजाब नेशनल बैंक, आई.एफ.एस.सी. कोड-0676200

श्रीबंगाल बिहार उड़ीसा दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी, भुवनेश्वर- उड़ीसा में जमा करके सुश्री विनीता जैन को सूचित कर सकते हैं- मो.- 9438730773